Seventeenth Loksabha

an>

Title: Issue regarding insult of Guru Granth Sahib.

श्री रवनीत सिंह (लुधियाना): स्पीकर सर, आज आपने मुझे टाइम से पहले टर्न दी है, इसके लिए मैं आपका आभारी हूं, क्योंकि आम तौर पर जब लेट होता है, तभी मौका देते हैं । आज मैं जो मुद्दा उठाने जा रहा हूं, वह मुद्दा नहीं है । गुरु ग्रंथ साहब जी, उनको मानने वाले हम जैसे लोग, उसे लिविंग गॉड मानते हैं, वह हमारे लिए जिंदा ग्रंथ है । सर, यह आपको भी पता है, सारे देश को पता है कि 1 जून, को गांव बुद्धजवाहरसिंहवाला से गुरु ग्रंथ साहब चोरी हुआ । मैं वर्ष 2015 की बात बता रहा हूं । उसके बाद 25 सितम्बर बरगाडी में सैक्रीलेज के पोस्टर्स लग गए कि हम गुरु ग्रंथ साहब को इस दिन इसके अंगों को यहां पर फेकेंगे, आप अगर रोक सकते हो, तो रोक लो । उस सरकार को उन्होंने चैलेंज किया । ये एक डेरे के लोग थे । इसमें एफआईआर 117 दर्ज हुई । 12 अक्टूबर को जो उन्होंने डेट दी थी, उन्होंने कहा था कि 12 अक्टूबर को गुरु के अंग हम यहां पर फेकेंगे, तो उसी तरीके से उन्होंने वे अंग बरगाडी में वहां की गली-गली में फेके । एफआईआर 128 वहां पर दर्ज हुई । इसके बाद सिखों का बहुत बड़ा रोष हुआ । उस टाइम पर अकाली दल, बीजेपी की सरकार थी, उसने सीबीआई को यह केस रेफर कर दिया । अब नवंबर, 2015 का केस ट्रांसफर हुआ है । इसके ऊपर 3 एसआईटी बनीं । एक अकाली दल, बीजेपी के टाइम की, एक एसआईटी अब बनी, जो डीआईजी रणवीर सिंह खटरा के अंडर में है । जब ये एफआईआर दर्ज हुईं, एक एफआईआर उस दिन दर्ज हुई । जिस दिन उन्होंने यह बीड़ साहब की चोरी की, एक दिन जब उन्होंने अंग फेकें, सीबीआई ने तीनों एफआईआर क्लब करके यह केस शुरू कर दिया । इस केस में बिट्टू, सनी और शक्ति सिंह, तीन लोग वर्ष 2015 में पकड़े गए । …(व्यवधान)

सर, मैं मुद्दे पर आ रहा हूं । वर्ष 2015 में ये तीनों एफआईआर क्लब करके सीबीआई ने तीनों को एसआईटी की मदद से पकड़ लिया । ज्वाइंट इनवेस्टिगेशन हुई तो तीनों ने कोर्ट के सामने यह माना कि बीड़ साहब हमने

चुराई, हमने ये पोस्टर लगाए, हमने ये बीड़ साहब के अंग फेकें । अब क्या हुआ? सबसे खतरनाक बात, आप हैरान होंगे कि 4 जुलाई को सीबीआई ने क्लोज़र रिपोर्ट जारी कर दिया कि इस केस में कुछ नहीं मिला । पंजाब की सरकार बदल गई । डीजीपी बदलना पड़ गया । उस टाइम इलेक्शन्स थे । ...(व्यवधान) जब सीबीआई ने केस वापस मांगा था, तब तो दिया नहीं ।...(व्यवधान) सर, एक मिनट दीजिए । यह गुरु ग्रंथ साहब का मामला है । ...(व्यवधान)

अब क्या हुआ, बिट्टु सबसे बड़ा कलप्रिट था । सबसे बड़ी जेल नाभा में महेन्द्र पाल बिट्टु 22 तारीख को जेल के अंदर मारा गया, जो हाई सिक्युरिटी जेल है । उस समय भी इलेक्शन था, अब भी राजनीति हो रही है । हरियाणा में इलेक्शन है । गुरुग्रंथ साहिब के नाम पर आप पंजाब और हरियाणा में वोट लेंगे ।